विभाग की टीम ने मौके पर पहुंच की जांच, 1800 से अधिक टीडीएस का पानी

गुवारड़ी नाले में दूषित पानी छोड़ रहे प्रोसेस हाउस, प्रशासन की सख्ती बेअसर

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भीलवाड़ा. एक तरफ जिला कलक्टर जसमीत सिंह संधू और राजस्थान प्रदूषण नियंत्रण मंडल की सख्त कार्रवाई का दावा किया जा रहा है, तो दूसरी ओर गुवारड़ी नाले में दूषित पानी का बहाव थमने का नाम नहीं ले रहा है। प्रोसेस हाउस संचालकों की मनमानी के चलते अब आस-पास के खेत-खलियान और आमजन का जीवन दूभर हो गया है।

अवकाश का फायदा
उठाकर कर रहे खेल

आरोप है कि प्रोसेस हाउस संचालक प्रशासन की नजरों से बचने के लिए अवकाश के दिन और रात के अंधेरे में चोरी-छिपे केमिकलयुक्त और अत्यधिक दूषित पानी नाले में बहा रहे हैं। यह जहरीला पानी गुवारड़ी बांध के पास से होकर गुजरता है। इससे क्षेत्र का भू-जल स्तर और आसपास की जमीनें पूरी तरह खराब होती जा रही हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन के कड़े निर्देशों के बावजूद संचालकों के हौसले बुलंद हैं।

भीलवाड़ा. चित्तौड़गढ़ मार्ग स्थित गुवारड़ी नाले में बहता प्रोसेस हाउस से निकला काला व दूषित पानी। -पत्रिका

प्रदूषण नियंत्रण मंडल का तर्क
सीवरेज का पानी

राजस्थान प्रदूषण नियंत्रण मंडल के क्षेत्रीय अधिकारी दीपक धनेटवाल ने बताया कि शिकायत मिलने पर रविवार को विभाग की टीम ने मौके का मुआयना किया। उन्होंने बताया कि नाले में बह रहा पानी देखने में काला जरूर लग रहा है, लेकिन बोतल में नमूना लेने पर वह मटमैला नजर आता है। विभाग के अनुसार पानी का टीडीएस 1800 से 2000 के बीच है, जो यह दर्शाता है कि यह औद्योगिक वेस्ट के बजाय स्थानीय कॉलोनियों और मकानों से निकलने वाला सीवरेज का पानी हो सकता है।

कार्रवाई का आश्वासन

क्षेत्रीय अधिकारी धनेटवाल ने स्पष्ट किया कि यदि जांच में किसी भी प्रोसेस हाउस संचालक द्वारा चोरी-छिपे दूषित पानी छोड़ने की पुष्टि होती है, तो उनके खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

क्या है ग्रामीणों की पीड़ा

खेती पर संकट दूषित पानी के बहाव से फसलें बर्बाद हो रही हैं।

स्वास्थ्य का खतरा बदबू और जहरीले पानी से बीमारियों का डर सता रहा है।

बेअसर कार्रवाई प्रशासन की सख्ती के बाद भी नाले का रंग नहीं बदल रहा है।

खनिज विभाग के अधिकारियों की मौन सहमति से चल रहा खेल

वाहन चोरी का खुलासा, हिस्ट्रीशीटर

क्षेत्रीय कार्यालय
REGIONAL OFFICE
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल, भीलवाडा
RAJASTHAN STATE POLLUTION CONTROL BOARD, BHILWARA
Email:-rorpcb.bhilwara@gmail.com
www.environment.rajasthan.gov.in

Registered Letter/Post

RPCB/RO BHL/Gen-39/ 683 to 685 Date : 08/06/2026

जिला कलक्टर,
भीलवाड़ा (राज.)

विषय: राजस्थान पत्रिका में दिनांक 08.06.2026 को "गुवारड़ी नाले में दूषित पानी छोड़ रहे प्रोसेस हाउस, प्रशासन की सख्ती बेअसर" शीर्षक से प्रकाशित समाचार के क्रम में संक्षिप्त नोट।

सन्दर्भ: राजस्थान पत्रिका में प्रकाशित समाचार दिनांक-08.06.2026

महोदय,

उपरोक्त विषयांतर्गत निवेदन है कि दिनांक 08.06.2026 को राजस्थान पत्रिका समाचार पत्र में " गुवारड़ी नाले में दूषित पानी छोड़ रहे प्रोसेस हाउस, प्रशासन की सख्ती बेअसर" शीर्षक से एक समाचार प्रकाशित हुआ था। उक्त समाचार के क्रम में तथ्यात्मक रिपोर्ट इस पत्र के साथ संलग्न कर सूचनार्थ हेतु सादर प्रेषित है ।

सादर,

भवदीय,

(दीपक धनेटवाल)
क्षेत्रीय अधिकारी

प्रतिलिपि-

(i) जन संपर्क अधिकारी,भीलवाडा |

(ii) प्रभारी अधिकारी (Project Cell), मुख्यालय को प्रेषित करते हुए निवेदन है कि, उक्त सूचना को डी आई पी आर पोर्टल पर अपलोड करवाने का श्रम करावे।

क्षेत्रीय अधिकारी

राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल, क्षेत्रीय कार्यालय, भीलवाडा

तथ्यात्मक रिपोर्ट

संदर्भ : राजस्थान पत्रिका, दिनांक 08.06.2026 में प्रकाशित समाचार "गुवारड़ी नाले में दूषित पानी छोड़ रहे प्रोसेस हाउस, प्रशासन की सख्ती बेअसर"।

उक्त समाचार के क्रम में निवेदन है कि अधोहस्ताक्षरकर्ता को दिनांक 07.06.2026 को दूरभाष के माध्यम से गुवारड़ी नाले में दूषित जल प्रवाह होने संबंधी सूचना प्राप्त हुई थी। प्राप्त सूचना के सत्यापन हेतु अधोहस्ताक्षरकर्ता, कनिष्ठ पर्यावरण अभियंता, द्वारा मौके पर गुवारड़ी नाले का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान गुवारड़ी नाले में मध्यम गति से जल प्रवाहित होता पाया गया। प्रथम दृष्टया बहते हुए जल का रंग काला प्रतीत हो रहा था। तथापि, उक्त जल का नमूना बाल्टी में लेकर परीक्षण किए जाने पर जल का रंग काला न होकर मटमैला पाया गया। जल की गुणवत्ता का आकलन करने हेतु विभिन्न स्थानों पर टीडीएस (TDS) मापा गया, जो लगभग 1700 से 1800 पीपीएम के मध्य पाया गया।

निरीक्षण के दौरान यह प्रथम दृष्टया प्रतीत हुआ कि बहते हुए जल का रंग काला दिखाई देने का प्रमुख कारण नाले की सतह एवं तलछट का गहरे भूरे से काले रंग का होना था, जिसके कारण प्रवाहित जल का रंग भी काला दिखाई दे रहा था। जबकि पात्र (बाल्टी) में लिए गए जल का रंग मटमैला पाया गया। निरीक्षण के दौरान लिए गए फोटोग्राफ संलग्न हैं।

इसके अतिरिक्त, टीडीएस स्तर के आधार पर यह प्रतीत नहीं होता कि उक्त जल में किसी औद्योगिक अपशिष्ट (Industrial Effluent) का प्रभाव था। सामान्यतः औद्योगिक अपशिष्ट जल का टीडीएस स्तर सीवरेज जल के साथ मिश्रित होने की स्थिति में भी लगभग 5000 से 6000 पीपीएम के मध्य रहता है, जबकि बिना मिश्रण के औद्योगिक अपशिष्ट जल का टीडीएस स्तर प्रायः 10000 पीपीएम से अधिक होता है।

चूंकि गुवारड़ी नाले में आसपास के क्षेत्रों से सीवरेज जल का प्रवाह भी होता है, अतः 1700 से 1800 पीपीएम टीडीएस स्तर वाले जल के सीवरेज मिश्रित जल होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।निरीक्षण के दौरान लिए गए जीपीएस टैगयुक्त छायाचित्र संलग्न हैं।

(रोहित सिंह)
कनिष्ठ पर्यावरण अभियंता
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल, भीलवाड़ा

HANNA
Latitude: 25.253220
Longitude: 74.633157
Elevation: 398.46±5.15 m
Accuracy: 8.09 m
Time: 07-06-2026 11:05:21
Note: Guwadi nala

Latitude: 25.253238
Longitude: 74.633107
Elevation: 376.8±20.3 m
Accuracy: 3.0 m
Azimuth: 15° (N)
Pitch: -62.0° (-1.6°)
Time: 07-06-2026 18:09
Note: guwardinala